News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-266
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
परिश्रम के उपहार से ही मानव का जग में सत्कार होता है।'

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, मंगलवार, 31 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

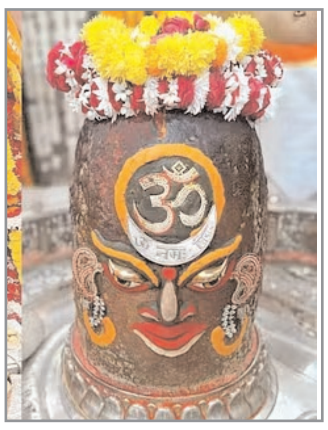

गोपालगंज में 27 क्विंटल प्रतिबंधित मांगुर मछलियां जब्त

पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, दो तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज. बिहार के गोपालगंज जिले में हैरान करने वाली तस्वीरें देखने को मिली. दरअसल कोलकाता से हरियाणा जा रही एक ट्रक को बिहार के गोपालगंज में रोककर जब पुलिस ने तलाशी लेनी शुरू की तो हैरान रह गयी. दरअसल ट्रक के अंदर चोरी-छिपे बैन की गयी मछलियों को रखा गया था. इस ट्रक से बड़ी सप्लाई की जानी थी, लेकिन पुलिस ने रास्ते में तस्करों के इरादों पर पानी फेर दिया. दरअसल गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 27 क्विंटल प्रतिबंधित मांगुर मछलियों को जब्त किया. यह मछलियां कोलकाता से तस्करी कर हरियाणा ले जाई जा रही थीं. पुलिस ने बरहिमा टोल प्लाजा के पास वाहन चेकिंग के दौरान ट्रक को रोका. ट्रक की तलाशी में प्रतिबंधित मांगुर मछलियां मिलीं, जिन्हें जब्त कर लिया गया. इस मामले में बांका जिले के दो तस्कर, दीपंकर दास और रेयाज अंसारी को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मत्स्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में इन मछलियों को नष्ट करने के लिए गड्ढा खोदकर मार दिया. गौरतलब है कि मांगुर मछली पर सरकार ने प्रतिबंध लगाया है, क्योंकि इसे खाने से कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा होता है. इसके बावजूद, तस्कर लगातार इन मछलियों की अवैध सप्लाई कर रहे हैं. इससे पहले भी पुलिस ने कई बार मांगुर मछलियों की तस्करी का पर्दाफाश किया है. बावजूद इसके, तस्करों की गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं. गोपालगंज पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर इस अवैध व्यापार पर शिकंजा कसने का संकेत दिया है. एसपी अवधेश दीक्षित ने कहा कि मछली समेत सभी अवैध धंधा में लगे तस्करों के सिंडिकेट को तोड़ने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला कर कार्रवाई में जुटी हुई है.

बिहार में 1 जनवरी से 58 ट्रेनों के समय में बदलाव

निकाह के लिए लेकर हुआ फरार

राजधानी और वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल

पटना, पहली जनवरी से दानापुर रेल मंडल होकर परिचालित होने वाली कई प्रमुख ट्रेनों की समय सारणी में बदलाव किया गया है। मुख्य रूप से राजधानी एक्सप्रेस एवं वंदेभारत के समय में परिवर्तन किया गया है। दानापुर मंडल के लगभग 58 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है।

अधिकांश ट्रेनों के परिचालन में 10 से लेकर 25 मिनट तक बदलाव किया गया है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि पटना तेजस राजधानी अब डीडीयू जंक्शन पर 10-15 मिनट पहले पहुंचेगी। इसके अलावा 14 अन्य ट्रेनों की समय सारणी में भी संशोधन किया गया है।

उन्होंने बताया कि पहली जनवरी से लागू होने वाली नई समय सारणी में आठ वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत, 14 ट्रेनों का समय में संशोधन, नौ पैसेंजर ट्रेनों का संचालन, 13 ट्रेनों के मार्ग विस्तार और ती ट्रेनों की बारंबारता में वृद्धि की गई है।

प्रमुख ट्रेनों के समय में बदलाव

आसनसोल सुपर फास्ट एक्सप्रेस- पटना जंक्शन से 13:40 की जगह अब 13:30 पर रवाना होगी।

विक्रमशिला एक्सप्रेस- पटना जंक्शन से 16:55 की जगह अब 16:50 पर रवाना होगी।

डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस- पाटलिपुत्र स्टेशन से 4:15 की जगह अब 4:05 पर रवाना होगी।

जयनगर गरीब रथ एक्सप्रेस- 5:55 के बदले 5:45 बजे रवाना होगी।

भभुआ रोड इंटरसिटी- 5:25 के बदले अब 5:20 बजे रवाना होगी।

आनंद विहार जनशताब्दी एक्सप्रेस- दानापुर स्टेशन पर 4 बजे के बदले 3:50 पर रवाना होगी।

राजेंद्र नगर- डिब्रूगढ़ साप्ताहिक- राजेंद्र नगर टर्मिनल से 15 बजे के बदले 14:45 बजे रवाना होगी।

गंगा दामोदर- पटना जंक्शन से 23:30 के बदले 23:20 बजे रवाना होगी।

पटना- काशी जनशताब्दी एक्सप्रेस- पटना जंक्शन से 17:20 के 16:45 बजे रवाना होगी।

कमला गंगा एक्सप्रेस-पटना जंक्शन पर 17 बजे के बदले 15:45 बजे रवाना होगी।

भागलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस- पटना जंक्शन पर 5:55 के बदले 5:45 बजे रवाना होगी।

सूरत भागलपुर एक्सप्रेस- पटना जंक्शन पर 11:45 बजे के बदले 11:25 बजे रवाना होगी।

वंदे भारत ट्रेनों का परिचालन

न्यू जलपाईगुड़ी-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन चलाई जाएगी। यह ट्रेन मंगलवार को नहीं चलेगी।

रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस भी छह दिन चलाई जाएगी, इसका परिचालन गुरुवार को नहीं किया जाएगा।

पटना-गोमतीनगर वंदेभारत भी छह दिन चलाई जाएगी, उसका परिचालन शुक्रवार को नहीं किया जाएगा

हावड़ा-गया वंदे भारत छह दिन चलाई जाएगी, इसका परिचालन गुरुवार को नहीं किया जाएगा।

वाराणसी-देवघर वंदे भारत सप्ताह में छह दिन चलाई जाएगी, इसका परिचालन मंगलवार को नहीं किया जाएगा।

केंद्र ने दिखाई तेजी

आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे समेत बिहार के 14 हाइवे प्रोजेक्ट की बाधाएं दूर होंगी

पटना, बिहार में हजारों करोड़ की राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) की परियोजनाएं समय से देर हो चुकी हैं। इनका निर्माण तो चालू है, पर कई जगहों पर छोटी-मोटी समस्याओं के कारण इसका काम बाधित है। अब केंद्र ने बिहार को ऐसी एक दर्जन परियोजनाओं को चिह्नित कर उसमें तेजी लाने को कहा है। इसमें आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे समेत नेशनल हाइवे के 14 प्रोजेक्ट शामिल हैं। बिहार में जिन परियोजनाओं का काम बाधित है, वह या तो जमीन अधिग्रहण की समस्या के कारण है या वन विभाग की मंजूरी नहीं मिलने से उन परियोजनाओं पर काम शुरू नहीं हो पा रहा है।

बता दें कि हिन्दुस्तान ने बिहार में एनएच कम होने का मुद्दा उठाया था। इस संबंध में खबरों की श्रृंखला प्रकाशित की थी। इसके बाद केंद्र ने यह पहल की है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार कई कई ऐसी परियोजनाएं हैं जिसकी निविदा तो हो चुकी है, लेकिन उस पर काम शुरू नहीं हो पा रहा है। ऐसी परियोजनाओं को केंद्र सरकार ने अविलंब शुरू कराने को कहा है। राज्य सरकार ने केंद्र को भरोसा दिया है कि वह जनवरी में इन परियोजनाओं की समस्याओं का निबटारा कर लेगी।

किस हाइवे पर कौन-सी समस्या

केंद्र सरकार ने जिन सड़क परियोजनाओं को पूरा करने को कहा है उसमें मुंगेर-मिर्जाचौकी में मुंगेर में जमीन अधिग्रहण का मामला फंसा है। कल्याणपुर-ताल दशहरा में समस्तीपुर में जमीन अधिग्रहण की समस्या है। आमस-दरभंगा एक्सप्रेसवे पर पटना, गया और जहानाबाद में जमीन नहीं मिल रही। उमगांव-सहरसा में सुपौल और सहरसा में वन विभाग की जमीन की मंजूरी नहीं मिली है।

वहीं, शेरपुर-दिघवारा में सारण में जमीन अधिग्रहण की समस्या है। बहादुरगंज-अररिया, मुजफ्फरपुर-सोनबरसा, रिविलगंज बाईपास, जंदाहा बाईपास, भभुआ बाईपास, अमदाबाद-मनिहारी, रामनगर-रोसड़ा, कटोरिया, बांका और पंजवारा बाईपास का काम भी जमीन अधिग्रहण और वन विभाग की आपत्ति के कारण काम बाधित है।

बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा उनके स्तर पर महीने दो दिन हो रही है। इसमें राज्य सरकार के संबंधित विभाग, जिलाधिकारी एवं केंद्र सरकार के संबंधित विभागों के अधिकारी होते हैं। इसका लाभ हुआ है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय कायम है जिसका लाभ परियोजनाओं को हो रहा है।

1 जनवरी को पिकनिक का मजा हो सकता है किरकिरा

मौसम विभाग के अलर्ट ने बढ़ाई टेंशन

पटना, नए साल के आगमन में अब कुछ ही समय बाकी रह गया है। ऐसे में लोग 2025 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मौके पर लोगों ने पिकनीक के लिए सबसे अधिक प्लान बनाकर रखा है। तो चलिए जानते हैं कि नए साल यानी 1 जनवरी को मौसम कैसा रहेगा? दरअसल, नए साल के आगमन से ठीक पहले राजधानी समेत प्रदेश का मौसम ने करवट ले लिया है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण ठंड भरी पछुआ हवा के प्रवाह से पटना समेत प्रदेश में ठंड में वृद्धि होने के साथ तापमान में भी गिरावट आई है।

नए साल पर कंपकंपाएगी ठंड

नए साल पर लोगों का स्वागत कड़ाके की ठंड से होगा। सुबह से लेकर शाम तक तेज हवा और कनकनी परेशान कर सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, अगले तीन दिनों के दौरान अधिसंख्य भागों में हल्के व मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने का पूर्वानुमान है।

सोमवार को कैसा रहा पटना का मौसम

सोमवार को पटना व आसपास इलाकों में सुबह में कोहरे का प्रवाह व शाम में कनकनी बनी रही। तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने के साथ ठंड में वृद्धि की संभावना है। पटना का अधिकतम तापमान सामान्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस गिरावट के साथ 19.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इस सीजन में पटना के अधिक तापमान में सबसे अधिक गिरावट

इस सीजन में पहली बार पटना के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। 25.8 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 9.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सहरसा अगवानपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। नौ जिलों में सासाराम, डेहरी औरंगाबाद, गया, किशनगंज के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

हवाई सेवा प्रभावित

मौसम में आई खराबी के कारण स्पाइसजेट की मुंबई-दरभंगा फ्लाइट सोमवार की सुबह पटना में हवाई चक्कर लगाने के बाद वाराणसी डायवर्ट कर दी गई। वहां विमान को लैंड कराया गया। एक घंटे तक वाराणसी एयरपोर्ट पर रुकने के बाद विमान ने दरभंगा के लिए उड़ान भरी। यात्री और क्रू मेंबर्स विमान में ही रहे। स्पाइजेट के पदाधिकारी आनंद कुमार देवड़ा ने बताया कि दरभंगा का मौसम अनुकूल नहीं था। इसके चलते फ्लाइट चक्कर काटने के बाद डायवर्ट कर दिया गया।

बढ़ी बिजली की खपत

ठंड बढ़ने के बाद बिजली की खपत धीमी गति से बढ़नी शुरू हो गई है। 48 घंटे में 10 मेगावाट बिजली की मांग में बढ़ गई है। सोमवार को अधिकतम बिजली की मांग 375 मेगावाट हुई। जबकि शनिवार को 365 मेगावाट, रविवार को 372 मेगावाट बिजली की खपत हुई।

पटना में सबसे अधिक हो रही ठगी

4 साइबर थाना खोलने की योजना; 5 जिले बने हॉट स्पॉट

पटना। बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुए सरकार ने अब इससे निपटने के लिए विशेष रणनीति के तहत काम करने की योजना बनाई है। आर्थिक अपराध इकाई(ईओयू) के डीआइजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने सोमवार को बताया कि साइबर अपराध से निपटने के लिए पटना में चार साइबर थाना खोलने का प्रस्ताव एसएसपी को दिया गया है। इसके साथ ही तीन अतिरिक्त डीएसपी भी तैनात किए जाएंगे जो साइबर से जुड़े मामलों की जांच और निगरानी करेंगे। ढिल्लो सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस से बात बात कर रहे थे।

प्रदेश के पांच जिले साइबर अपराध के हॉट स्पॉट

ढिल्लो ने बताया कि प्रदेश के पांच जिले साइबर अपराध के हॉट स्पॉट के रूप में चिह्नित किए गए हैं। ये जिले हैं पटना, शेखपुरा, नवादा, नालंदा और जमुई। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक पुलिस जिला में एक साइबर थाना अधिसूचित किया गया है। राज्य के सभी 44 पुलिस जिलों में कुल 44 साइबर थाना कार्यरत हैं।

आर्थिक अपराध इकाई इन सभी साइबर थानों से संबंधित विषयों के लिए राज्य स्तर की नोडल इकाई है। उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष अब तक तीन सौ एक डिजिटल अरेस्ट के मामले सामने आए हैं। जिसके जरिये करीब 10 करोड़ रुपये की राशि का गबन हुआ हालांकि 1.6 करोड़ की राशि होल्ड करने में सफलता भी प्राप्त की गई।

अब तक बिहार नहीं लौटे कई नागरिक

मानवजीत सिंह ढिल्लो ने बताया कि साइबर अपराध के कई मामलों का लिंक साउथ-ईस्ट एशियाई देशों जैसे लाओस, कंबोडिया, म्यांमार और मलेशिया से पाया गया है। इन देशों में गए 374 बिहारी नागरिकों की पहचान की गई, जिनमें से कई अब तक नहीं लौटे हैं।

इन मामलों में आठ ट्रैवल एजेंसियों का सत्यापन किया गया, जिनमें दो बिहार स्थित और छह दिल्ली-एनसीआर के एजेंसियां हैं। एजेंसियों की जानकारी गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ साझा की गई है, ताकि ताकि फंसे हुए लोगों का रेस्क्यू कराया जा सके।

16.40 लाख कॉल प्राप्त किए गए

उन्होंने बताया कि 2022 की तुलना में 2024 में नवंबर तक एनसीआरपी हेल्प लाइन 1930 पर कुल 16.40 लाख कॉल प्राप्त किए गए। जिनमें से 15.73 लाख कॉल का उत्तर दिया गया, जो कि कुल कॉल का करीब 96 प्रतिशत है।

वर्ष 2024 में साइबर अपराध से संबंधित काल प्राप्त करने और इस पर कार्रवाई करने में बिहार लगातार शीर्षस्थ पांच स्थानों पर रहा है।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों के सत्यापन के लिये जीएसटी विभाग और कंपनी मामलों के मंत्रालय से संपर्क किया गया है। जीएसटी और मंत्रालय से आंकड़ा मिलने के बाद आनलाइन परीक्षा केंद्रों को सत्यापन शुरु किया जाएगा।